सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 320 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 31 दिसम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

कला मानवीय आत्मा की गहरी परतों को उजागर करती है। कला तभी संभव है जब स्वर्ग धरती को छुए।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

पंजाब को पाक बनाने की कोशिश कर... 8 | भाजपा-सपा के बीच मुकाबला, कांग्रेस... 3 | नए साल के जश्न में डूबेंगे दिल्ली... 7

राहुल गांधी का साफ संदेश
सर्दी से डरता हूं न सरकार से

» कहा-भारत जोड़ो यात्रा के दरवाजे हर भारत जोड़ने वाले के लिए हैं खुले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भाजपा-आरएसएस मेरे लिए गुरु की तरह हैं। मैं खासतौर से आरएसएस और बीजेपी के लोगों को धन्यवाद करता हूं क्योंकि जितना वे आक्रमण करते हैं उतना हमें सुधार करने का मौका मिलता है। मैं चाहता हूं कि वे और जोर से करें जिससे कांग्रेस पार्टी को अपनी विचारधारा अच्छे से समझ आए।

राहुल ने कहा कि ये जो यात्रा है इसने ये हमें कुछ बताने की कोशिश की है और अगर हम उसे नहीं सुनते तो यह उस आवाज का अपमान होगा। आज राहुल ने टी-शर्ट के सवाल पर अपने जवाब मैं सर्दी से नहीं डरते कहकर यह संदेश भी देने की कोशिश की है कि वह सरकार से नहीं डरते हैं, चाहे सरकार उनके खिलाफ कितना ही षड़यंत्र रच ले। राहुल गांधी ने कहा, मैं जानता हूं कि विपक्ष के सारे के सारे नेता हमारे साथ खड़े हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दरवाजे हर उसके लिए खुले हैं जो भारत को जोड़ना चाहता है। पीएम बन कर पहले तीन कामों के सवाल पर राहुल ने कहा, बच्चों को देंगे विजन, बिना स्किल रोजगार नहीं और देश में भाईचारे, एकता और प्रेम की भावना का प्रसार करूंगा। विदेश नीति भ्रमित करने वाली है ।

'आरएसएस और भाजपा मेरी गुरु इनका हमला हमें देता है ताकत'

"विचारधारा में एकरूपता होती है। नफरत, हिंसा और मोहब्बत में एकरूपता नहीं होती। अखिलेश जी और मायावती जी, जो प्यार का हिंदुस्तान चाहते हैं, नफरत का नहीं। तो उनसे रिश्ता तो है।"

बेवजह मेरी सुरक्षा का मुद्दा बना रही सरकार

राहुल ने कहा, मैं भारत जोड़ो यात्रा कर रहा हूं। अब सरकार चाहती है कि मैं बुलेटप्रूफ गाड़ी में कन्याकुमारी से कश्मीर जाऊं। ये मेरे लिए स्वीकार्य नहीं है। जब उनके वरिष्ठ नेता बुलेटप्रूफ गाड़ी से बाहर आ जाते हैं, तो कोई चिट्ठी नहीं आती। अपने ही प्रोटोकॉल को वे तोड़ देते हैं। तो क्या उनके लिए प्रोटोकॉल अलग-मेरे लिए अलग। बुलेटप्रूफ गाड़ी में मैं कैसे चलूं। ये शायद केस बना रहे हैं कि राहुल अपनी सिक्योरिटी तोड़ता रहता है।

राहुल बोले- मुझे अब तक ठंड नहीं लगी

राहुल से जब एक पत्रकारों ने पूछा कि उन्होंने इतनी सर्दी में भी टी-शर्ट क्यों पहनी है। तो राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा- आपने स्वेटर पहन रखा है, इसका ये मतलब नहीं कि सर्दी है, इसका मतलब है कि आप सर्दी से डरते हैं। मैं सर्दी से नहीं डरता हूं। मेरे टी-शर्ट पहनने की असली वजह यह है कि मुझे अब तक ठंड नहीं लगी है। जब लगेगी तो स्वेटर पहनना शुरू कर दूंगा।

अब तक राहुल ने की 9 पीसी

क्रमांक		स्थान
पहली	▸	तमिलनाडु
दूसरी	▸	कर्नाटक
तीसरी	▸	आंध्र प्रदेश
चौथी	▸	तेलंगाना
पांचवीं	▸	महाराष्ट्र
छठवीं	▸	मध्य प्रदेश
सातवीं	▸	राजस्थान
आठवीं	▸	राजस्थान
नौवीं	▸	दिल्ली

एमपी भाजपा से नाराज कांग्रेस को चुनेगी जनता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भारत जोड़ो यात्रा में 9वां संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश का जिक्र भी किया। राहुल ने दावा करते हुए कहा-मैं आपको एक बात लिखकर देता हूं कि कांग्रेस मध्यप्रदेश के चुनाव को जीतेगी। भाजपा वहां दिखाई नहीं देगी। मध्यप्रदेश में तूफान आया हुआ है और वहां हर कोई जानता है कि भाजपा ने वहां पैसा देकर सरकार बनाई है। पूरा एमपी गुस्से में है। राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा की 6वीं प्रेस कॉन्फ्रेंस मध्यप्रदेश के खरगोन में नवंबर माह में की थी। यहां उन्होंने कहा था-भाजपा ने मेरी छवि खराब करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। उन्होंने मेरी एक छवि बनाई है। लोग सोचते हैं कि यह मेरे लिए हानिकारक है, लेकिन वास्तव में यह मेरे लिए फायदेमंद है, क्योंकि सच्चाई मेरे साथ है। सत्य को छिपाया नहीं जा सकता। उन्होंने मेरी छवि खराब करने के लिए जितना पैसा खर्च किया है, उतनी ही ताकत मुझे दे रहे हैं।

उमा भारती के तेवर तीखे

» राम, तिरंगा, गंगा और गाय में विश्वास भाजपा ने तय नहीं किया है

» राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पर उठाए सवाल, कहा- भारत टूटा ही कहां है

राम, हनुमान और हिंदू धर्म भाजपा की बपौती नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी की फायरब्रांड नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने राम को लेकर अपनी ही पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की राम, हनुमान या हिंदू धर्म बापौती नहीं है। कोई भी उन पर विश्वास कर सकता है। उमा भारती ने आगे कहा है कि राम, तिरंगा, गंगा और गाय में विश्वास भाजपा ने तय नहीं किया है, बल्कि यह उनके अंदर पहले से ही था। अंतर इतना है कि हमारी आस्था राजनीतिक लाभ से परे है। उन्होंने कहा कि भारत में मुगल रहे हों या अंग्रेज तब भी हनुमानजी थे। उन्होंने अयोध्या आंदोलन को भी याद किया और कहा कि राम मन्दिर निर्माण के लिए तो कांग्रेस के लोगों ने भी चंदा दिया था। हनुमान भक्त कोई भी हो सकता है।

उमा भारती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि भारत कहां टूट रहा है? हमने धारा 370 को खत्म कर दिया है। जो देश को तोड़ रहा था वह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) था। राहुल गांधी को इस यात्रा को पीओके ले जाना चाहिए। यदि भारत जोड़ना है तो उस हिस्से की बात करें जो कांग्रेस के समय टूट गया है। वहीं उमा ने सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर के द्वारा हथियार रखे जाने के बयान का उमा भारती ने समर्थन किया। उन्होंने कहा कि शस्त्र रखना गलत नहीं है। राम ने भी वनवास काल में शस्त्र को नहीं छोड़ने की प्रतिज्ञा ली थी। शस्त्र रखना गलत नहीं है, बल्कि हिंसक विचार रखना गलत है।

भाजपा सामाजिक न्याय की दुश्मन : अखिलेश

» आरक्षण मुद्दे पर आक्रामक हुए सपा सुप्रीमो, पूरे प्रदेश में आंदोलन खड़ा करने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी सामाजिक न्याय की दुश्मन है और उसने हमेशा ही पिछड़ों के साथ सौतेला व्यवहार किया है। उनका हक छीना है। उन्होंने दलितों को भी आगाह कर दिया कि अभी योगी सरकार ने सिर्फ पिछड़ों का आरक्षण छीना है। आगे वह दलितों का हक भी छीन लेगी और दोनों ही वर्गों की आने वाली पीढ़ियों को गुलाम बना लेगी। अखिलेश ने ऐलान किया कि सपा इसके खिलाफ संघर्ष करेगी। उन्होंने इसी बहाने जातीय जनगणना की अपनी मांग को फिर से दोहरा दिया।

प्रदेश में पिछड़े वर्ग के एकमात्र नेता बनने की कोशिश में अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी नेताओं पर भी निशाना साधा। उनके निशाने पर खासतौर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रहते हैं। उनके साथ ही भगवा पार्टी के अन्य ओबीसी नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी में जाते ही पिछड़े वर्ग के नेताओं की आत्मा मर जाती है। बीजेपी को पिछड़ा विरोधी बताते हुए अखिलेश यह भी बोले कि योगी सरकार ने पुलिस भर्ती में 1700 ओबीसी और दलितों को नौकरी से बाहर कर दिया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी से सत्ता छीनने वाली भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ अखिलेश यादव ने हर दांव आजमा लिया है लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिल रही है, जैसी वह चाहते हैं। सत्ता में वापसी तो दूर, उन्हें अपने गढ़ों तक को बचाने के लिए पसीने बहाने पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में निकाय चुनाव में आरक्षण को लेकर हाई कोर्ट के फैसले ने सपा को जैसे संजीवनी दे दी है। बीजेपी के खिलाफ आरक्षण को लेकर मोर्चा खोलने वाले अखिलेश यादव अपने इस दांव के जरिए दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों को साधने की कोशिश में जुटे हैं। इस मसले को लेकर वह काफी ऐक्टिव हैं और इस पर एक प्रदेशव्यापी आंदोलन खड़ा करने की तैयारी में हैं। बयानों से हमलों के अलावा अखिलेश ने सोशल मीडिया पर आरक्षण के मुद्दे को लेकर आंदोलन भी छेड़ दिया है। उन्होंने हाई कोर्ट के फैसले के बाद से लगातार आरक्षण को लेकर ट्वीट किए हैं और इस मुद्दे पर ओबीसी-दलित समाज के लोगों को एकजुट करने की कोशिश की है। 27 दिसंबर को अपने एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि आरक्षण को बचाने की लड़ाई में पिछडों व दलितों से सपा का साथ देने की अपील है। उसी दिन उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा, भाजपा हटाओ, आरक्षण बचाओ। दाने बांटकर खेत लूटने वालों से बचें। उन्होंने एक और ट्वीट किया और कहा कि बीजेपी की हार में ही आरक्षण की जीत है।

ट्विटर पर छेड़ा आरक्षण बचाओ आंदोलन

मजबूती से लड़ेंगे ओबीसी की लड़ाई : शिवपाल

हाई कोर्ट का फैसला आने के बाद शिवपाल ने कहा था कि निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण खत्म करना दुर्भाग्यपूर्ण है। सामाजिक न्याय की लड़ाई को इतनी आसानी से कमजोर नहीं होने दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि आरक्षण पाने के लिए जितना बड़ा आंदोलन करना पड़ा था, उससे बड़ा आंदोलन इसे बचाने के लिए करना पड़ेगा। कार्यकर्ता तैयार रहें। जाहिर है, नगर निकाय और लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के खिलाफ सपा को बड़ा हथियार मिल गया है। वह अपने इस पुराने हथकंडे को नए तेवर के साथ आजमाने की तैयारी में लगी है और भरोसे में है कि इसका फायदा उसे मिलेगा। ऐसा होगा या नहीं, यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन यह बात साफ है कि पिछड़ों और दलितों की राजनैतिक पावर यूपी में तख्ता पलटने की कैसियत रखती है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्देशित ट्रिपल टेस्ट फार्मूले के तहत निकाय चुनाव के लिए आरक्षण न तय करने पर बीजेपी को हाई कोर्ट से फटकार मिली है। हाई कोर्ट ने कहा है कि प्रदेश की योगी सरकार ने आरक्षण तय करने में प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। ऐसे में बिना ओबीसी आरक्षण के ही प्रदेश में निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। हाई कोर्ट का यह फैसला आते ही उत्तर प्रदेश की सियासत में हंगामा मच गया। अखिलेश यादव ने मामले को लपक लिया और बीजेपी पर साजिश के तहत आरक्षण खत्म करने का आरोप लगा दिया।

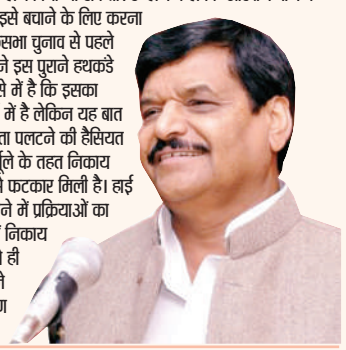

पूर्व विस अध्यक्ष केसरीनाथ त्रिपाठी की तबियत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल और उत्तर प्रदेश के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी की तबीयत खराब हो गई है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने पर प्रयागराज के लोकसेवा आयोग चौराहा स्थित एक्यूरा क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। अभी बेहतर इलाज के लिए उन्हें आईसीयू में रखा गया है।

इलाज कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि अभी हालत स्थिर है। पंडित त्रिपाठी के बेटे नीरज त्रिपाठी ने बताया कि शुक्रवार से उनकी तबीयत खराब होने लगी थी। पारिवारिक डॉक्टर को घर पर ही बुलाकर दिखाया गया, लेकिन आराम नहीं मिला। उन्हें सांस लेने में ज्यादा दिक्कत हो रही थी। डॉक्टर की सलाह पर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। यहां उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर भी रखा गया है। बता दें कि केसरीनाथ त्रिपाठी दो बार कोरोना पॉजिटिव हुए थे। लखनऊ के एसजीपीजाई में उनका लंबा इलाज भी चला था। इसके बाद वह स्वस्थ होकर घर आ गए थे। दरअसल, कुछ दिन पहले ही वह बाथरूम में फिसलकर गिर गए थे, जिससे उनका दाहिना हाथ फ्रैक्चर हो गया था। उसी के बाद से वह शारीरिक रूप से कमजोर हो गए थे। इसके बावजूद वह कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेते नजर आ रहे थे।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर का एक साल बढ़ा कार्यकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को एक साल का और सेवा विस्तार मिल गया है। वह अगले साल 31 दिसंबर तक इस पद पर बने रहेंगे। यह पहला मौका है जब यहां किसी मुख्य सचिव को लगातार दूसरी बार सेवा विस्तार मिला है।

केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने शुक्रवार को उनका सेवा विस्तार संबंधी आदेश राज्य सरकार को भेज दिया। अब यूपी का नियुक्ति विभाग अलग से इस संबंध में अपना आदेश जारी करेगा। यूपी में केंद्र की योजनाओं को अच्छी तरह से लागू करने, ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट और निकाय चुनाव समेत तमाम मुद्दों को लेकर केंद्र ने दुर्गा शंकर को ही सेवा विस्तार देना उचित समझा।

बृजलाल खाबरी ने की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 3 जनवरी को गाजियाबाद से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी। इस यात्रा में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने विपक्ष के नेताओं समेत सभी वर्गों से भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया है। सरकार पर हमला बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष खाबरी ने कहा कि योगी सरकार में आम जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए परेशान हैं, तो छात्र फीस वृद्धि से और सेवानिवृत्त कर्मचारी पुरानी पेंशन के लिए परेशान हैं। लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। सरकार में बैठे लोग सिर्फ हिंदू-मुस्लिम के नाम पर नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं। खाबरी ने कहा कि समाज को विभाजित करने वाली भाजपा सरकार की नीति के विरोध में भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। उन्होंने सभी से न्याय के लिए इस यात्रा से जुड़ने का आह्वान किया। खाबरी ने कहा कि जो लोग पीड़ित है, वे अगर इस यात्रा से जुड़ते हैं तो यात्रा को और मजबूती मिलेगी। लोकतंत्र के मजबूत रहने पर ही देश और देशवासी मजबूत होंगे। उधर, कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर जौनपुर से सीमा चौहान व श्रेयांश सिंह चौहान और कन्नौज से अमोल दीक्षित व अमन मिश्रा समेत कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस में वापसी की खबरों को आजाद ने बताया मनगढ़ंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस में वापसी की अटकलों पर विराम लगा दिया है। आजाद ने कहा कि ये सुनकर हैरान हूं कि मैं कांग्रेस पार्टी में दोबारा शामिल होने जा रहा हूं। दुर्भाग्य से ऐसी कहानियां कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता गढ़ते हैं, ताकि मेरी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ सकें।

इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि आजाद को कांग्रेस में वापस लाने की तैयारी चल रही है। इसके लिए सोनिया गांधी की करीबी नेता अंबिका सोनी खुद उनसे बातचीत कर रही हैं। उन्होंने आजाद को राहुल गांधी से बातचीत करने का भी न्योता दिया है। यह पूरी कवायद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जम्मू-कश्मीर पहुंचने से पहले की जा रही है। बता दें कि आजाद ने इसी साल अगस्त में कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। आजाद अक्टूबर में अपने नए राजनीतिक संगठन डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी का ऐलान कर चुके हैं। आजाद ने इसी साल 26 अगस्त को कांग्रेस पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वह पिछले 52 साल से कांग्रेस से जुड़े थे। इसी साल उनके राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हुआ था। हालांकि, गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान गुलाम नबी आजाद ने दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला केवल कांग्रेस ही कर सकती है।

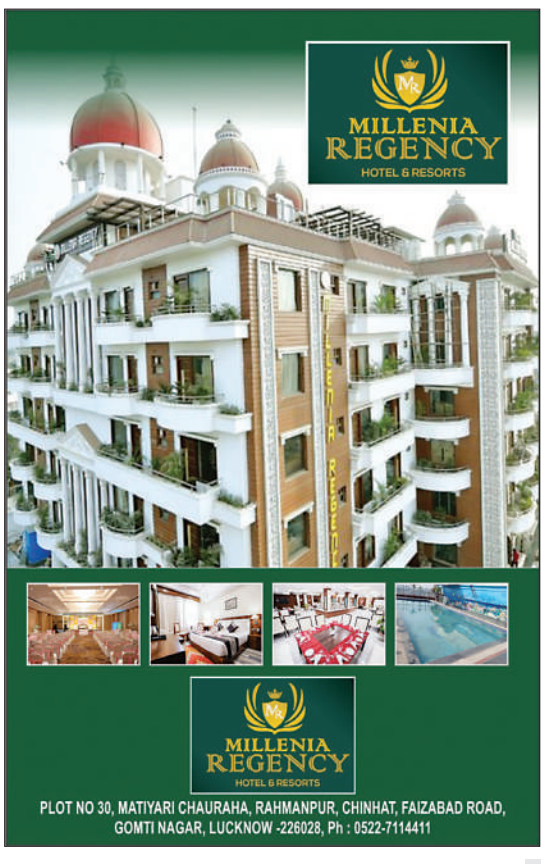

शिक्षक- स्नातक एमएलसी चुनाव

भाजपा-सपा के बीच मुकाबला, कांग्रेस भी उतर सकती है मैदान में

भाजपा अपने आजमाए चेहरों पर फिर लगा सकती है दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निकाय को लेकर सियासी पारा गरम गया है। वही खंड शिक्षक और स्नातक कोटे की एमएलसी सीटों के चुनाव में भी भाजपा और समाजवादी पार्टी में सीधी टक्कर है। चुनाव में शिक्षक गुट और निर्दल समूह भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। सियासी दलों के बीच ये मुकाबला काफी दिलचस्प होने वाला है। बात करें अगर समाजवादी पार्टी की तो उसने अपनी तैयारी शुरू भी कर दी है। सपा ने जहां हर सीट के लिए अपने पहले से प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं।

समाजवदी पार्टी इस समय मैनपुरी और खतौली उप चुनावों में जीत से काफी खुश है। प्रदेश भर को बात और विकास की बात कर रही है। बात करे भाजपा की तो उसने भी संयोजक और सह-संयोजकों की पूरी टीम को तैयार कर रखा है । अभी तक गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक सीट से देवेंद्र प्रताप सिंह, कानपुर-खंड स्नातक सीट से अरुण पाठक और बरेली-मुरादाबाद स्नातक सीट पर जय पाल सिंह व्यस्त एमएलसी हैं। यह तीनों सीटें भाजपा के पास है। एमएलसी चुनाव को लेकर सूत्रों का कहना है कि भाजपा अपने आजमाए चेहरों पर फिर दांव लगा सकती है। वहीं, इलाहाबाद-झांसी शिक्षक सीट माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट और कानपुर शिक्षक सीट माध्यमिक शिक्षक संघ चंदेल गुट के पास है। इनका कार्यकाल 12 फरवरी को खत्म हो रहा है। इस बार समाजवादी पार्टी ने इस चुनाव के लिए पहले से ही अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए थे। गोरखपुर-फैजाबाद सीट से करुणाकांत मौर्य, मुरादाबाद-बरेली-स्नातक सीट से शिव प्रताप सिंह और कानपुर खंड स्नातक सीट से कमलेश यादव को तो इलाहाबाद-झांसी शिक्षक सीट से एसपी सिंह और कानपुर खंड शिक्षक सीट से पार्टी ने प्रियंका को प्रत्याशी बना रखा था। वहीं, भाजपा ने भले ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है, पर पार्टी ने प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य को संयोजक और प्रदेश मंत्री संजय राय, एमएलसी श्रीचंद्र शर्मा व अजय सिंह को सह-संयोजक घोषित कर रखा है। भाजपा की इस टीम ने 39 जिलों में दौरा कर मतदाता सूची में अपने वोटर जोड़ने के साथ हर पोलिंग सेंटर में भी संयोजक बना रखे हैं। शिक्षक सीटों के चुनाव के लिए शर्मा और चंदेल गुट भी अपनी समीकरण बैठाने में जुटा है।

जल्द ही कर सकती है भाजपा वोटर सम्मलेन

सूत्रों के मुताबिक जल्दी ही भाजपा शिक्षक और स्नातक क्षेत्र के वोटर्स तक अपनी पहुंच बनाने के लिए सम्मेलन करेगी। भाजपा के शिक्षक-स्नातक चुनाव के संयोजक अमरपाल मौर्य बताते हैं कि अभी अंतिम सूची का प्रकाशन नहीं हुआ है, पर इस चुनाव में गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक क्षेत्र में करीब ढाई लाख मतदाता, बरेली-मुरादाबाद स्नातक क्षेत्र में पौने दो लाख मतदाता, कानपुर स्नातक क्षेत्र में डेढ़ लाख मतदाता, इलाहाबाद-झांसी शिक्षक क्षेत्र में 35 हजार मतदाता और कानपुर शिक्षक क्षेत्र में 20 हजार मतदाता हैं। पार्टी सभी मतदाताओं के बीच पहुंचेगी और जल्दी ही उनके सम्मेलन शुरू हो जाएंगे। स्नातक क्षेत्र के लिए जिलावार और शिक्षक क्षेत्र के लिए मंडलवार सम्मेलन किए जाएंगे।

39 जिलों में आचार संहिता

विधान परिषद की पांच सीटों पर चुनाव प्रदेश के 39 जिलों में होने हैं। ये जिले हैं प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी, ललितपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, संभल, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, संत कबीर नगर, गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी और अम्बेडकर नगर। इन जिलों में आदर्श आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।

तराई में मिलेगा हाथियों को अपना आशियाना

प्रदेश सरकार से मिली एलिफैंट रिजर्व की स्थापना को मंजूरी

- **पीलीभीत प्रदेश का दूसरा और देश का 33वां एलिफैंट रिजर्व क्षेत्र होगा**
- **पर्यटकों की संख्या भी दोगुनी होने की उम्मीद**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व अब सिर्फ बाघों के साथ अब हाथियों के लिए भी पहचाना जाएगा। तराई के जंगलों में अब बाघों के साथ हाथियों का भी प्राकृतिक संरक्षण होगा। केंद्र सरकार के बाद गुरुवार को प्रदेश सरकार से भी तराई एलिफैंट रिजर्व की स्थापना को मंजूरी मिल गयी है। इससे यहां पर अब पर्यटकों की संख्या दोगुनी होने की भी उम्मीद लगाई जा रही है। पीटीआर की बराही रेंज की सीमा नेपाल की शुक्लाफांटा सेंचुरी से मिली हुई है। इसके चलते पीलीभीत का जंगल बाघ समेत अन्य वन्यजीवों के अलावा हाथियों के लिए भी शुरू से मुफीद रहा।

बराही रेंज के लग्गा-भग्गा से लेकर दुधवा टाइगर रिजर्व तक का जंगल हाथियों का कॉरिडोर माना जाता है। कई वर्षों तक हाथी इन इलाकों में विचरण करते रहे, लेकिन समय से साथ आए बदलाव में कॉरिडोर खेती में तब्दील हो गया। जंगल क्षेत्र को उजाड़कर खेती करनी शुरू कर दी गई। इसके बाद भी नेपाल की ओर से हाथियों के आने का सिलसिला बंद नहीं हो सका। कॉरिडोर नष्ट होने से हाथी रास्ता भटकने लगे। पिछले कुछ सालों से स्थिति बिगड़ने लगी। इसके बाद विभागीय स्तर से रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी गई। 22 अक्टूबर, 2022 को केंद्र पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने ट्विटर अकाउंट से तराई एलीफैंट रिजर्व को केंद्र की मंजूरी मिलने की जानकारी साझा की थी। इसके बाद प्रदेश सरकार की ओर से पत्राचार तेज कर दिए थे। बृहस्पतिवार को राज्यपाल की सहमति के बाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। पीलीभीत एलिफैंट रिजर्व प्रदेश का दूसरा और देश का 33वां एलिफैंट रिजर्व होगा, जिसमें टाइगर रिजर्व का बहुत बड़ा हिस्सा इसके लिए संरक्षित किया गया है।

ये बोले डिप्टी डायरेक्टर

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर नवीन खंडेलवाल का कहना है कि प्रदेश सरकार ने तराई एलिफैंट की प्रस्तावना को मंजूरी दे दी है। इससे पीलीभीत टाइगर रिजर्व का 73024.98 हेक्टेयर हिस्सा शामिल किया गया है। यह हाथियों के संरक्षण के लिए बेहतर साबित होने वाली है।

नेपाल से बंद नहीं हुआ हाथियों का आना जाना

बराही रेंज के लग्गा बग्गा से लेकर दुधवा टाइगर रिजर्व तक का जंगल हाथियों का कॉरिडोर माना जाता है। कई वर्षों तक हाथी इन इलाकों में विचरण करते रहे। लेकिन समय के साथ-साथ आए बदलाव में कॉरिडोर खेती में तब्दील हो गया। जंगल क्षेत्र को उजाड़ कर खेती शुरू कर दी गई। इसके बाद भी नेपाल की ओर से हाथियों के आने-जाने का सिलसिला बंद नहीं हुआ। कॉरिडोर नष्ट होने से हाथी रास्ता भटकते रहे। पिछले कुछ सालों से स्थिति बिगड़ने लगी थी। इसके बाद विभागीय स्तर से रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी गई। 22 अक्टूबर 2022 को केंद्र पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने ट्विटर अकाउंट से रिजर्व को केंद्र की मंजूरी मिलने की जानकारी दी गई।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बिहार में आधी आबादी की विजय

आम तौर पर देखा जाता है कि राजनीति के मैदान में पुरुषों की भागेदारी नारी से अधिक रहती है। देश में लोकसभा हो, राज्यसभा या फिर विधानसभा अथवा विधान परिषद सभी में पुरुष नुमाइंदों की तादाद महिलाओं से कहीं अधिक है। इसके इतर स्थानीय निकाय से लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर भी पुरुष नारी से अग्रणी हैं। मगर बिहार प्रदेश में नगर निगम चुनाव के शुक्रवार को आए नतीजों में महिलाओं ने अपनी ताकत का सियासी तौर पर अहसास करा दिया। शहरों की सत्ता पर अपना परचम फहरा दिया। राज्य में मेयर की कुल 17 सीटों में 16 सीटें पिंक पावर के कब्जे में आयी हैं। वहीं, डिप्टी मेयर की 11 सीट पर भी आधी आबादी ने विजयी श्री हासिल कर सबको चौंका दिया है।

दरअसल, महिलाओं की राजनीति में भागीदारी बढ़ाने की बात हर राजनीतिक दल करता है, मगर जब चुनाव आता है तो टिकट देने के मामले में सभी सियासी दल इस बात को भूल जाते है और नारी के मुकाबले पुरुषों को टिकट में तवज्जों दी जाती है। हालांकि अभी तक यह अपवाद है कि यूपी चुनाव में कांग्रेस ने 40 फीसदी महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। देश में आधी आबादी का 33 फीसदी आरक्षण लोकसभा और विधानसभा में करने की चर्चा समय-समय पर जोर पकड़ती रही है मगर आज तक इसे अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। बिहार के नगर निगम चुनाव में महिलाओं ने दिखा दिया है कि वह अगर मौका मिले तो पुरुषों से किसी मामले में कमतर नहीं है। राजधानी पटना से लेकर पूर्णिया, दरभंगा, छपरा, बेगूसराय, भागलपुर, कटिहार, मुजफ्फरपुर, बिहार शरीफ, आरा, सासाराम, बेतिया, मोतीहारी, सीतामढ़ी, मुंगेर और समस्तीपुर की मेयर सीट पर पिंक पावर ने कब्जा किया है। इतना ही नहीं डिप्टी मेयर के 17 में से 11 पदों पर भी आधी आबादी की जीत हुई है। पटना, बिहार शरीफ, छपरा, मुजफ्फरपुर, सासाराम, आरा, बेतिया, दरभंगा, बेगूसराय व पूर्णिया नगर निगम में महापौर व उपमहापौर दोनों ही सीटों पर महिलाओं ने कब्जा जमाया है। मेयर व डिप्टी मेयर के कुल 34 पदों में से पुरुषों के हाथ केवल 7 पद लगे हैं जिसमें एक मेयर और 6 उपमहापौर के पद शामिल है। बाकी 27 यानि 75 प्रतिशत से अधिक पद महिलाओं के खाते में गये है। जहां बिहार के इस चुनाव ने देश को एक बड़ा संदेश देने का काम किया है। वहीं महिलाओं ने भी बड़ी सफलता अर्जित कर देश की सियासी पार्टियों को चुनावी पदों पर अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए सोचने का विषय दे दिया है। यह नतीजे बता रहे हैं कि देश में अब महिलाओं को सदन में आरक्षण देने का मामला फिर से जोर पकड़ सकता है।

बिहार के नगर निगम चुनाव में महिलाओं ने दिखा दिया है कि वह अगर मौका मिले तो पुरुषों से किसी मामले में कमतर नहीं है। राजधानी पटना से लेकर पूर्णिया, दरभंगा, छपरा, बेगूसराय, भागलपुर, कटिहार, मुजफ्फरपुर, बिहार शरीफ, आरा, सासाराम, बेतिया, मोतीहारी, सीतामढ़ी, मुंगेर और समस्तीपुर की मेयर सीट पर पिंक पावर ने कब्जा किया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नए साल में नए अंदाज में दिखेगी सियासी हलचल

नरेन्द्र नाथ

बीत रहे साल में सियासी उठापठक अपेक्षाकृत कम देखने को मिली। पक्ष-विपक्ष दोनों खेमों में बड़ी लड़ाई की तैयारी करने और रणनीति बनाने में अधिक वक्त बीता। साल की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में तो साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए। इन चुनावों के परिणाम मिश्रित रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में बड़ी जीत हासिल कर बीजेपी इस साल भी खुद को सबसे मजबूत दिखाने में सफल रही। हालांकि विपक्ष ने भी बीजेपी के चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए तमाम हथकंडे अपनाए और उसे आने वाले समय में इसका सियासी प्रीमियम मिलने की उम्मीद है।

अगर बीते साल की सियासी गतिविधियों को देखें तो संकेत मिलता है कि विपक्ष ने बीजेपी को घेरने के लिए पहली बार रणनीति पर गंभीरता से काम किया। 2014 के बाद बीजेपी साल दर साल और मजबूत होती गई है और विपक्ष उसके सामने बेबस दिखा है। चाहे सियासी अजेंडा सेट करने की बात हो या लोगों के बीच लगातार पहुंचने की, बीजेपी विपक्षी दलों से बहुत आगे दिखती थी। लेकिन बीते साल विपक्ष ने इस मोर्चे पर अपनी गलती स्वीकारते हुए अपने को बदलते हुए दिखाया। कांग्रेस 2014 के बाद पहली बार कंफर्ट जोन से बाहर निकली। राहुल गांधी की अगुआई में उसने भारत जोड़ो पदयात्रा निकाली। अब तक इसके सकारात्मक परिणाम ही दिखे और माना जा रहा है कि यात्रा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा दी। पार्टी ने नेतृत्व स्तर पर भी जो महीनों से उलझन थी उसे समाप्त किया और गांधी परिवार से बाहर का नया अध्यक्ष दिया। माना जा रहा है कि अगले साल पार्टी भारत जोड़ो पदयात्रा का दूसरा चरण भी करेगी। बिहार में महागठबंधन सरकार बनने के बाद तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार बीजेपी से मुकाबला करने के लिए फॉर्म्युला खोजने में व्यस्त दिखे और साल का अंत आते-आते नीतीश कुमार ने संकेत दे दिए कि वह 2024 से पहले तेजस्वी यादव को बिहार की कमान सौंप कर दिल्ली आ सकते हैं।

उसी तरह उत्तर प्रदेश में हार के बाद अखिलेश यादव ने संगठन और सामाजिक समीकरण का विस्तार करने की शुरुआत की। हालांकि ऐसी पहल हमेशा होती रही है लेकिन इस बार विपक्षी दलों ने इसमें एक रणनीति दिखाई। पार्टी बीजेपी के सामने हिंदुत्व या राष्ट्रवाद जैसे मसलों

पर डिफेंसिव हो जाती थी। लेकिन अब तमाम दल इस साल अपनी विचारधारा पर स्टैंड लेते हुए दिखे। वे इन भावनात्मक मुद्दों से खुद को अलग कर बुनियादी मुद्दों पर सियासी संघर्ष करते नजर आए जिसका आंशिक लाभ उन्हें जरूर मिला। लेकिन इसकी असल परीक्षा 2024 के आम चुनाव में होगी। जानकारों के अनुसार विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही थी और अब तक वह इसे कमजोरी मानने से भी परहेज करती थी। लेकिन अब पहली बार इस साल इन दलों ने अलग-अलग प्लैटफॉर्म पर स्वीकार किया कि मुद्दों को नहीं पहचान पाना उनकी बड़ी सियासी कमजोरी रही। हालांकि आक्रामक बीजेपी के सामने विपक्षी पार्टियां इन मुद्दों को किस तरह रखेंगी और हिंदुत्व तथा राष्ट्रवाद के सामने खुद को विकल्प के रूप में किस तरह पेश करेंगी, अब भी इस बारे में स्पष्टता नहीं है। वह भी खासकर आम चुनावों में जहां उनका मुकाबला नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली बीजेपी से होगा। क्या इन सीखों से सबक लेते हुए अगले साल खुद को तैयार करने में विपक्ष सफल होगा? 2024 का आम चुनाव का दंगल बहुत कुछ इसी बात पर निर्भर रहेगा। हालांकि विपक्षी एकता की कोशिशों के लिहाज से 2022 नकारात्मक ही रहा। इस दिशा में कोशिशें टेक ऑफ नहीं कर पाईं। हालांकि विपक्षी दलों के नेताओं का तर्क रहा कि 2022 में अधिकतर दलों का मूल ध्येय अपना संगठन मजबूत करना और उसका विस्तार करना था। अगले साल के अंत तक विपक्षी एकता की कोई गंभीर संभावना और सूरत नजर आ सकती है। यह साल इसलिए भी यादगार कहा जाएगा कि बीजेपी ने अपना जाना-पहचान रास्ता छोड़कर मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदायों तक पहुंच बढ़ाने की बड़ी शुरुआत की।

संघ की ओर से भी पहल की गई। 2023 इस लिहाज से दिलचस्प साल होगा। यह देखने के लिए कि इसका कैसा नतीजा आया। बीजेपी ने मुस्लिम विरोधी बयान देने के लिए अपनी पार्टी प्रवक्ता नूपुर शर्मा को पार्टी से निष्कासित तक किया। पार्टी को अहसास हुआ कि अब ध्रुवीकरण की राजनीति का नेगेटिव नतीजा सामने आ रहा है। कमंडल के सामने मंडल की राजनीति के पनपने का दांव भी बीजेपी के सामने नई चुनौती ला रहा है। वह किस तरह से इसका सामना करती है उससे भी आगे की सियासी दिशा तय होगी।

हिंदी साहित्य हमारी धरोहर इस ओर लौटिए

रेखा गर्ग

एक दौर था जब पढ़ने के प्रति व्यक्ति पूर्ण समर्पित होता था। लगभग सभी घरों में कोई ना कोई पुस्तक अवश्य आती थी। बच्चों के लिए चाचा चौधरी, लोटपोट, चंपक, चंदामामा और भी अनेक किताबें जिनमें खोकर बच्चों का उत्साह अलग ही दिखाई देता था। दीन-दुनिया से बेखबर किताबों की कहानियों और चित्रों में डूबकर जीवन को सही मायनों में जीते थे। बड़ों के लिए भी धर्मयुग, माया व उपन्यास आते थे। उपन्यासों में इतना रम जाते थे कि अन्य कामों में मन ही नहीं लगता था। पहला पन्ना पढ़ते ही शीघ्रातिशीघ्र अंत तक पहुंच जाना चाहते थे क्योंकि ऐसा आनंद और रहस्य कहीं और नहीं मिलता था।

चित्रात्मकता उपन्यासों की विशेषता हुआ करती थी और रहस्य अनसुलझी पहेली जिसमें उलझकर निकलने की छटपटाहट हुआ करती थी। महिलाएं भी सरिता, मुक्ता आदि किताबों के सहारे जीवन के हर क्षेत्र की जानकारियों से अपना समय सुख और शांति के साथ व्यतीत करती थीं। इन किताबों का पढ़ना उनकी दिनचर्या में शामिल होता था। अतिश्योक्ति ना होगी कि किताबें जीवन का अहम् हिस्सा होती थी तब मोबाइल नहीं थे। मोबाइल आने से पढ़ने में दिलचस्पी कम होती गई है। इसने बच्चों से बचपन और बड़ों से अट्टहास छीन लिया है। बच्चों को किताबों में कोई आनंद नहीं रह गया है। उपन्यास के लिए समय ही नहीं बचा और किताबे घरों में आना ही बंद हो गई हैं। हमारा हिंदी साहित्य सिमटकर रह गया है। कुछ घरों की बात तो कह नहीं सकते पर किताबें बीते युग की होकर रह गई हैं। कभी किरदारों के साथ हम रोते थे। हंसते थे। उनका सुख-दु:ख महसूस किया करते थे। भावनात्मक रुप से हम उनके साथ जुड़े हुए थे। उनके साथ जीते थे, मरते थे पर आज वो अहसास समाप्त हो गए हैं। आज पढ़ने की आदत ही खत्म हो गई है। हमने आखिरी किताब कब पढ़ी होगी हमें शायद ये भी याद नही होगा। हम किताबें खरीदना ही भूलते जा रहे हैं। श्रेष्ठ कवियों और लेखकों की कृतियां विद्यालयों के पाठ्यक्रम तक ही सीमित हो गई हैं। अन्यथा किस किताब का विमोचन कब हो रहा है हम जानना भी नहीं चाहते। हमें मोबाइल से फुर्सत ही नहीं मिलती। कभी उपन्यासों पर बनाई गई फिल्में जीवन का आइना हुआ करती थीं। उन्हें पढ़कर भी फिल्म देखने की कमी पूरी हो जाती थी। लेखक धर्मवीर भारती ने तो देवदास किताब खरीदकर फिल्म देखने की लालसा पर ही अंकुश लगा लिया था और वह पुस्तक उनकी लाइब्रेरी की प्रथम पुस्तक बन गई थी पर आज फिल्मों में भी साहित्य कहीं नजर नहीं आता। आज हम मोबाइल की बात करते हैं किसी कहानी, कविता, एकांकी की नहीं। मोबाइल की बैटरी, रिचार्ज को याद रखते हैं। कितनी कीमत का है, उसके नए-नए लांच हुए रुपों से प्रभावित होते हैं पर किताबों के प्रकाशित होने की हमें कोई खबर ही नहीं। हिंदी साहित्य कहीं गुम होता जा रहा है। किताबों का अस्तित्व सिमट कर रह गया है। अधिकांशत: युवा पीड़ी का ध्यान हिंदी साहित्य की तरफ है ही नहीं। अंग्रेजी के ज्ञान की भले ही अधिकता हो पर हिंदी के साहित्य से उनकी दूरी दृष्टिगोचर होती है। पुस्तकों के प्रति उनकी उदासीनता परिलक्षित होती है। सभी वर्ग के लोगों का रुझान हिंदी साहित्य की ओर हो। हमारे लेखकों की प्रेरणास्पद बातें जो उनकी कहानियों और कृतियों में हैं उन्हें पढ़कर अभिभूत होना चाहिए।

साहित्य के उस लुभावने संसार में वापिस डूबकर देखें हमने क्या खोया है। वैसे तो वाट्सएप और फेसबुक के माध्यम से हमें ज्ञान की बहुत सी बातें पढ़ने को मिलती हैं पर हिंदी साहित्य की सागर जैसी विशालता और गहराई से हमारा परिचय नहीं होता। कवि और लेखकों के भावों के साथ जीने का अंदाज नहीं मिलता। उनकी कलम की सच्चाई से रुबरु नहीं हो पाते। किताब लेकर बैठने की आदत गुम हो गई है। मुंशी प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद सरीखे अन्य लेखकों की कहानियों के किरदारों को हमने निकटता से देखा है पर आज वो कहां हैं? क्या महसूस कर पाते हैं हम पूस की रात कैसे होती है? परदा जीवन में क्या स्थान रखता है? मंत्र कहानी के पात्र भगत का अर्न्तद्वंद्व तो दिल को लहुलुहान ही कर देता है। ये कहानियां हैं साहित्य जगत की जिनकी मार्मिकता से आज युवा अनभिज्ञ हैं, जो किन्हीं कोनो में धूल से धिरी दिखाई देती हैं। लौट आइए हिंदी साहित्य की ओर जो मन को शांति और शीतलता प्रदान करता है। जो जीवन की वास्तविकता से परिचय कराता है। हर रस का आनंद मिलता है हमें अपने साहित्य में, बिहारी कवि का श्रांगारिक वर्णन हो या कबीर की साखियां, सूर के पद हो या रहीम के दोहे, मीरा का दर्द महादेवी के गीतों में झलकता है।

गद्य की गहनता और चित्रात्मकता सूक्तियों के साथ समन्वित होकर दिल पर अमिट छाप छोड़ने में सक्षम है। हिंदी साहित्य हमारा प्रेरणा स्रोत है। जीवन की वास्तविकता को खोलकर दिखाने की क्षमता है इसके पास। अमूल्य खजाना सुरक्षित है हमारे पास साहित्य का। रत्नों को उठाना सीखिए, मोतियों को पिरोना जानिए। अंग्रेजी का ज्ञान भले ही सर्वोपरि हो। हिंदी को अपनी ताकत बनाइए, किरीट में सजाइए। मोबाइल पर चलती उंगलियां से पुन: किताबों के पन्ने पलट कर तो देखिए ज्ञान का सागर वहां हिलोरे मार रहा है। आनंद और हर तरह का विस्तार वहां भी मिलेगा। अपने इष्ट का सुंदर चित्रण, हर युग की विशेषताओं का संगम और अपनी संस्कृति की छाप से सुसज्जित हिंदी साहित्य रुपी विरासत को खोने ना दें। रहस्यवाद, छायावाद की चादर में लिपटे, भक्ति के आवरण से सुशोभित, श्रृंगार के चित्रण से मंडित गरिमामयी हिंदी साहित्य के पठन की ओर अपनी वापसी करें प्रतीक्षारत साहित्य आपको बहुत कुछ देगा।

गुजरात के समुद्र तटों पर मनाएं नए साल का जश्न

न ये साल सेलिब्रेशन की तैयारियां लोगों ने जोरें-शोरों से शुरू कर दी हैं। कोई हाउस पार्टी की प्लानिंग कर रहा है, तो किसी ने मूवी और डिनर का प्लान बना रखा है। वैसे तो ज्यादातर लोग नए साल के सेलिब्रेशन के लिए गोवा जाना पसंद करते हैं क्योंकि वहां घूमने वाली जगहों की भरमार है साथ ही दिन हो या रात हर वक्त पार्टी का माहौल रहता है। लेकिन इसी वजह से वहां न्यू ईयर के टाइम सबसे ज्यादा भीड़ होती है। कई बार तो जिस मौज-मस्ती की तलाश में आप यहां जाते हैं, वो भी एंजॉय नहीं कर पाते। तो अगर आप न्यू ईयर सेलिब्रेशन किसी समुद्र तट डेस्टिनेशन पर ही जाकर मनाना चाहते हैं, तो गोवा नहीं इस बार गुजरात का बनाएं प्लान।

शांत और खूबसूरत है द्वारका बीच

गुजरात का द्वारका शहर में भी एक बीच है जहां जाकर आप न्यू ईयर सेलिब्रेट कर सकते हैं। ये बीच भी शोरगुल से दूर शांत और खूबसूरत है। अगर आप रिलैक्सिंग वेकेशन मनाने की सोच रहे हैं, तब तो आपको जरूर यहां आना चाहिए। इसके अलावा द्वारका शहर अपने मंदिरों के लिए भी जाना जाता है। यहां गली-गली में मंदिर हैं। लोग दूर-दराज से द्वारिकाधीश मंदिर दर्शन के लिए आते हैं। अहमदाबाद से द्वारका की दूरी लगभग 439 किमी. है। द्वारका नगरी, गोमती नदी और अरब सागर के तट पर बसी है। द्वारका बीच द्वारका शहर के केंद्र बिंदु से थोड़ी दूरी पर स्थित है। यहां पर आकर आप ताजी हवा में सांस लेने और सफेद रेत में चलने का आनंद ले सकते हो। यह बीच काफी साफ सुथरा है और पानी भी साफ है हालांकि यहां पर आप ज्यादा एक्टिविटी की सुविधा नहीं है। द्वारका नगरी को भगवान कृष्ण का राज्य कहा जाता है और यहीं पर भगवान कृष्ण ने कई सालों तक राज किया आप यहां पर अधिकतर धार्मिक और एतिहासिक स्थलों को समुद्र तट से काफी करीब पाएंगे द्वारका के आस पास घूमने के लिए बहुत सी जगह है आप बीच के आस पास प्रमुख मंदिरों में घूमने जा सकते हो।

कच्छ जिले में स्थित है मांडवी बीच

गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है मांडवी बीच, जहां आप खूबसूरत सनसेट देख सकते हैं। इस बीच पर इतनी भीड़ नहीं होती जिस वजह से यह साफ है। समुद्र की ऊंची-नीचे लहरों को देखते और खेलते हुए कब घंटों निकल जाते हैं इसका पता ही नहीं चलता। इस बीच पर घोड़े और ऊंट की सवारी भी कर सकते हैं। सनसेट की खूबसूरत तस्वीर को अपने कैमरे में कैद करना बिल्कुल मिस न करें।

पोरबंदर में स्थित है चौपाटी बीच

गुजरात के पोरबंदर में स्थित है चौपाटी बीच। ये भी गुजरात के सबसे साफ-सुथरे बीच में से एक है। बीच के नजदीक ही कीर्ति मंदिर है, तो यहां आकर इसे देखना मिस न करें। अहमदाबाद से पोरबंदर की दूरी 394 किमी. है। फैमिली के साथ आएं या फ्रेंड्स के साथ, सुकून भरा वेकेशन और जश्न मनाएंगे इसकी गारंटी है।

माधवपुर बीच पर कर सकते हैं ऊंट की सवारी

माधवपुर बीच सेलिब्रेशन के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। समुद्र की लहरों में नहाने, खेलने के साथ ही यहां भी आप ऊंट की सवारी कर सकते हैं। इस बीच पर कई सारी दुकानें भी मौजूद हैं जहां से आप लोकल चीजों की खरीददारी कर सकते हैं। साथ ही खानपान के भी मजे ले सकते हैं।

मंदिर के बिल्कुल पास में है सोमनाथ बीच

वैसे तो सोमनाथ मंदिरों के लिए मशहूर है। यहां लोग खासतौर से मंदिर दर्शन के लिए ही आते हैं। लेकिन अगर आप गुजरात आएं हैं, तो मंदिर के साथ ही बीच की भी सैर कर लें। यकीनन ये आपके नए साल का बेस्ट ट्रिप साबित होगा। ये बीच सोमनाथ मंदिर के बिल्कुल पास में ही है। यहां का नजारा देखकर आपने तन और मन को खुश कर देगा।

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से: अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी: 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

सन: मॉम, पापा बहुत शरीफ है, मॉम: वो कैसे बेटा, सन: पापा जब भी किसी लडकी को देखते है, तो अपनी एक आंख बंद कर लेते है।

बहु के 1-2 अफेयर सुनकर पती ने जान दे दी, 3-4 अफेयर सुनकर ससुर ने जान दे दी, लेकिन सास चुप रही क्यों? क्युकी सास भी कभी बहु थी।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता: मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी, अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुज़ारे। आदित्य: बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते.. दे चप्पल!

गारमेंट शॉप में लड़की: अंडरवियर दिखाना प्लीज़। सरदार थोड़ा शरमाकर: जी आज नहीं पेहनी।

कहानी — हरा घोड़ा

एक शाम राजा अकबर बीरबल के साथ अपने शाही बगीचे की सैर के लिए निकले। वह बगीचा बहुत ही शानदार था। चारों ओर हरियाली ही हरियाली थी। ऐसे में राजा को जाने क्या सूझा कि उन्होंने बीरबल से कहा, बीरबल! हमारा मन है कि इस हरे भरे बगीचे में हम हरे घोड़े में बैठ कर घूमें। इसलिए मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तुम सात दिनों के अंदर हमारे लिए एक हरे घोड़े का इंतजाम करो। वहीं अगर तुम इस आदेश को पूरा करने में असफल रहते हो, तो तुम कभी भी मुझे अपनी शक्ल न दिखाना। इस बात से राजा व बीरबल दोनों वाकिफ थे कि आज तक दुनिया में हरे रंग का घोड़ा नहीं हुआ है। फिर भी राजा चाहते थे कि बीरबल किसी बात में अपनी हार स्वीकार करें। मगर, बीरबल भी बहुत चालाक थे। वो भली भांति जानते थे कि राजा उनसे क्या चाहते हैं। इसलिए वो भी घोड़ा ढूंढने को सात दिनों तक इधर-उधर घूमते रहे। आठवें दिन बीरबल राजा के सामने पहुंचे और बोले, महाराज! आपकी आज्ञा के अनुसार मैंने आपके लिए हरे घोड़े का इंतजाम कर लिया है। मगर, उसके मालिक की दो शर्तें हैं। राजा ने उत्सुकता से दोनों शर्तों के बारे में पूछा। बीरबल बोले- पहली शर्त यह है कि उस हरे घोड़े को लाने के लिए आपको स्वयं जाना होगा। राजा इस शर्त के लिए तैयार हो गए। बीरबल ने कहा, दूसरी शर्त यह है कि आपको घोड़ा लेने जाने के लिए सप्ताह के सातों दिन के अलावा कोई और दिन चुनना होगा। यह सुन राजा हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। तब बीरबल ने बड़ी सहजता से जवाब दिया, महाराज! घोड़े का मालिक कहता है कि हरे रंग के खास घोड़े को लाने के लिए उसकी यह खास शर्तें तो माननी ही होंगी। राजा अकबर बीरबल की यह चतुराई भरी बात सुनकर खुश हो गए और मान गए कि बीरबल से उसकी हार मनवाना वाकई में बहुत मुश्किल काम है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में उत्तम सफलता के योग बनेंगे और आप मन लगाकर काम करेंगे। आज कोई नया घरेलू सामान खरीद सकते हैं।

वृषभ — आज भाग्य का आपको पूरा-पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में अपनी प्रगति के बारे में विचार करेंगे। आगे बढ़ने के लिए आप कुछ नया सीखेंगे।

मिथुन — जल्दबाजी में कोई काम न करें। पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी। आपका फालतू खर्चा हो सकता है। नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं।

कर्क — आज आप अपने घर परिवार को अच्छा समय देंगे। घरेलू खर्च पर भी आपका ध्यान रहेगा। कुछ चैलेंज सामने आएंगे, जिनका आप अच्छे से सामना करेंगे।

सिंह — आज आपका सोचे हुए काम को पूरा करने में थोड़ा टाइम लग सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। किसी भी फैसले में जल्दबाजी करने से बचें। कामयाबी जरुर हासिल होगी।

कन्या — अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा। आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है। आपकी मेहनत सफल होगी और आपके विरोधी शांत रहेंगे।

तुला — आज का दिन मान सामान्य रहने वाला है। आप हर काम को अच्छे तरीके से करने की कोशिश करेंगे और आप का मन भी लगेगा। आपकी सेहत बढ़िया रहेगी।

वृश्चिक — आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस के किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में तरक्की होनी तय है। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु — रोजमर्रा के काम पूरे होने के योग हैं। आपके काम बनते चले जाएंगे। सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है। परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा।

मकर — आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायक रहेगा। सेहत से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। अपने काम पर पूरा ध्यान देंगेगे और निजी जीवन भी आपको संतुष्टि देगा।

कुम्भ — आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस में नये प्रयोग करने में आप सफल होंगे। आज आप जो भी काम करनें की सोचेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी।

मीन — बिजनेस न बढ़ाएं तो ही अच्छा है। जो जैसा चल रहा है चलने दें। महंगी चीजों की खरीदारी हो सकती है। आज आप कोई नया और बड़ा डिसीजन न लें तो ही अच्छा रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मां जब चाहे थप्पड़ लगा सकती हैं : सलमान खान

दबंग खान यानी सलमान अब 57 साल के हो चुके हैं। 27 दिसंबर को सलमान ने हर बार की तरह अपना बर्थडे ब? जोरदार तरीके से सेलिब्रेट किया। उनके बर्थडे को खास बनाने इंडस्ट्री के तमाम स्टार्स पहुंचे थे और शाहरुख खान ने शाम को खास बनाते हुए, बर्थडे पार्टी में पहुंचकर सलमान को गले लगाया था। उम्र सलमान के सामने बस एक नंबर लगती है और आज भी उनका स्वैग पहले जैसा ही दमदार है। इंडिया के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक सलमान का इंडस्ट्री में भले एक खास भौकाल हो, लेकिन अपने दोस्तों और परिवार के लिए वो आज भी वैसे ही हैं जैसे बचपन से रहे हैं। उनके दोस्त आज भी उनसे उसी तरह बात करते हैं जैसे हमेशा से किया करते थे। सुपरस्टार सलमान ने खुद एक नए इंटरव्यू में बताया है कि अभी भी परिवार का उनके साथ बर्ताव पहले जैसा ही है। पिंकविला के साथ एक नई बातचीत में सलमान ने बताया कि उनके सभी दोस्त आज भी वही हैं, जो बचपन से उनके साथ हैं। सलमान ने कहा कि उनके ये दोस्त 40-45 सालों से उनके साथ हैं और इसीलिए उन्हें आज भी उसी तरह बात करने का हक है, जैसे वो बचपन में किया करते थे। सलमान ने बताया कि उनके भाई-बहन भी ऐसा ही कर सकते हैं और करते रहे हैं। कई मौकों पर सलमान के पिता, सलीम खान की बातों से ये इशारा मिलता रहा है कि वो अपने बड़े बेटे को उसी तरह ट्रीट करते हैं, जैसे हमेशा से करते आए हैं। नई बातचीत में सलमान ने कहा कि उनके पिता को आज भी ये पूरा हक है कि वो जब चाहे उनकी पिटाई कर सकते हैं। इतना ही नहीं, तीन दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड के लीडिंग हीरो बने हुए सलमान ने कहा कि उनकी मां आज भी जब चाहे उन्हें थप्पड़ लगा सकती हैं।

पायल रोहतगी से हुई ऑनलाइन ठगी

पायल रोहतगी जिन्हें हाल ही में लॉक अप सीजन 1 में देखा गया हाल ही में ऑनलाइन ठगी का शिकार हुई। दरअसल पायल रोहतगी का गुस्सा साइबर सेल के लिए है। जो उनकी मदद नहीं कर रहा है। पायल रोहतगी लागातार साइबर सेल से मदद की गुहार लगा रही हैं लेकिन किसी से बात नहीं हो पा रही है। मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में पायल रोहतगी ने बताया कि उन्होंने वर्कआउट वियर्स के लिए फेमस ब्रांड से ऑनलाइन शॉपिंग की थी। जब प्रोडक्ट डिलीवर हुआ तो साइज को लेकर इश्यू हो रहा था। ऐसे में एक्ट्रेस ने रिटर्न के लिए अप्लाई कर दिया। कहती हैं कि इस घटना को 15-20 दिन हुए हैं।

पायल रोहतगी ने बताया कि कंपनी से किसी पर्सन ने आकर सामान लिया। अब 15 दिनों से कॉल कर रही हूं लेकिन सामान वापिस नहीं मिल रहा। ऐसे में कॉल कर रिटर्न का स्टेट्स पता किया लेकिन उनसे कस्टमर केयर ने एक फॉर्म भरने के लिए कहा। फिर फॉर्म में 10 रुपए भेजने के लिए कहा। फॉर्म में कार्ड डिटेल के लिए कहा था। कार्ड डिटेल भरी और ओटीपी जैसे ही भरा 10 रुपए की जगह 20,238 रुपए निकल गए। साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज करवा दी है। बता दूं कि गूगल पर स्ट्राइक होने वाले कस्टमर केयर फॉड हैं। पायल कहती हैं कि साइबर क्राइम को भी कॉल किया लेकिन फोन नहीं कनेक्ट हो पाया।

बॉलीवुड | मसाला

मैं हमेशा से संगीत का दीवाना रहा हूं: शगुन

मैं हमेशा से संगीत का दीवाना रहा हूं और सिंगिंग से मुझे खुशी मिलती है

डिजिटल डेस्क, मुंबई। मीत अभिनेता शगुन पांडे ने कहा है कि बचपन से उनकी सिंगिंग में रुचि रही है। अभिनेता शगुन पांडे ने साझा किया कि मैं हमेशा से संगीत के प्रति उत्साही रहा हूं और सिंगिंग से मुझे खुशी मिलती है। हाल ही में, मीत के सेट पर मैंने पूरी कास्ट और क्रू के लिए कुछ गाने परफॉर्म किए थे और उन्हें यह बहुत पसंद आया। यह सभी के लिए एक लंबा दिन था और क्योंकि मेरे पास कुछ समय का ब्रेक था तो मैंने कुछ गाने गाकर उन सभी को खुश करने का फैसला किया। शगुन ने तुझसे है राब्ता, क्यों उत्थे दिल छोड़ आए 2021, प्यार तूने क्या किया, शुभरंभ जैसे कई टीवी शो में काम किया और स्प्लिट्सविला 11 जैसे रियलिटी शो में भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच ऐसे हल्के-फुल्के पल खुद को और दूसरों को भी तरोताजा करने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि कैसे एक चीज दूसरी चीज की ओर ले जाती है, हमारे मामले में मैं गाता हूं, और जब गाने की शुरुआत करता हूं तो धीरे-धीरे हर कोई साथ में गाना शुरू कर देता है और यह वास्तव बहुत अच्छा होता है। बचपन से मैं संगीत का दीवाना रहा हूं, इसलिए मुझे सिंगिग पसंद है। मैं इन ब्रेक-टाइम में सिंगिग का वास्तव में आनंद ले रहा हूं। मीत जी टीवी पर प्रसारित होता है।

अजब-गजब | फिलीपींस के अद्भुत नियम जानकर रह जाएंगे दंग

देश में तलाक नहीं ले सकते पति-पत्नी

कई बार पति-पत्नी में मनमुटाव इतना बढ़ जाता है कि वो दोनों एक-दूसरे से अलग होने का फैसला ले लेते हैं। इसके लिए कानूनी प्रक्रिया तलाक का सहारा लिया जाता है। दुनिया के हर देश के कानून में इसके लिए कुछ नियम बनाए गए हैं लेकिन आपके ये जानकर यकीन नहीं होगा कि एक देश ऐसा भी है जहां पति-पत्नी एक दूसरे से अलग यानी तलाक नहीं ले सकते। इस देश का नाम है फिलीपींस। दरअसल, फिलीपींस में तलाक लेने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि ये नियम सिर्फ ईसाई धर्म के मानने वालों पर ही लागू है, लेकिन मुस्लिम समुदाय के लोग अपने सरिया कानून के मुताबिक तलाक ले सकते हैं।

बता दें कि फिलीपींस ही दुनिया का इकलौता देश है जहां पति-पत्नी तलाक नहीं ले सकते। दरअसल, फिलीपींस कैथोलिक देशों के एक समूह का हिस्सा है। कैथोलिक चर्च के प्रभाव की वजह से ही इस देश में तलाक का कोई प्रावधान नहीं है। साल 2015 में जब पोप फ्रांसिस फिलीपींस गए थे तो वहां के धर्मगुरुओं से अपील की थी कि तलाक चाहने वाले कैथोलिक लोगों के प्रति सहानुभूति नजरिया रखना चाहिए लेकिन फिलीपींस में तलाकशुदा कैथोलिक होना अपमानजनक माना जाता है।

फिलीपींस के ईसाई धर्मगुरुओं ने पोप फ्रांसिस की बात को एकदम अनसुना कर दिया। दरअसल, उन्हें अब इस बात का गर्व है कि अब दुनिया में एकमात्र फिलीपींस ऐसा देश है, जहां पर तलाक नहीं लिया जा सकता है। फिलीपींस में तलाक को वैध बनाने वाला बिल पहले से है, लेकिन राष्ट्रपति बेनिनो एक्विनो के समर्थन के बिना कानून बनाना मुश्किल है। बता दें कि अब से करीब चार सदी तक फिलीपींस पर स्पेन का शासन रहा। इस दौरान वहां की अधिकांश जनता ने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया था। उसके बाद समाज में कैथोलिक रूढ़िवादी नियमों ने अपनी जड़ें जमा ली थीं। लेकिन साल 1898 में स्पेन और अमेरिका के बीच युद्ध हो गया उसके बाद फिलीपींस पर अमेरिका का शासन हो गया।

उसके बाद तलाक के लिए एक कानून बनाया गया। साल 1917 में कानून के मुताबिक लोगों को तलाक की अनुमति तो दी गई, लेकिन एक शर्त रखी गई जो यह थी कि अगर पति-पत्नी में से कोई एडल्टरी करते पाया जाएगा, तो तलाक लिया जा सकता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जब फिलीपींस पर जापान ने कब्जा किया, तो उस समय भी तलाक के लिए एक नया कानून लाया गया। लेकिन ये नया कानून कुछ साल तक ही चला और साल 1944 में अमेरिका ने एक बार फिर से फिलीपींस पर कब्जा कर लिया। उसके बाद इस देश में पुराना तलाक कानून ही लागू कर दिया गया। साल 1950 में जब फिलीपींस अमेरिका के कब्जे से आजाद हुआ, तो इसके बाद चर्च के प्रभाव में तलाक का कानून वापस ले लिया गया। उसी समय से तलाक पर जो प्रतिबंध लगा, वो आजतक जारी है। बता दें कि फिलीपींस में तलाक नहीं लेने का प्रतिबंध सिर्फ ईसाइयों पर है। यहां की 6 से 7 फीसदी मुस्लिम आबादी अपने पर्सनल लॉ के मुताबिक तलाक ले सकती है।

आइलैंड पर एक साथ जला दिए गए थे 1.60 लाख लोग

दुनिया में बहुत सारी ऐसी जगह है जिनका रहस्य कई हजारों सालों के बाद भी सुलझ नहीं पाया है। ऐसा ही एक आईलैंड है जहां जाने के बाद कोई भी इंसान जिंदा वापस नहीं लौटता है। इटली के इस आइलैंड का नाम पोवेग्लिया आइलैंड है। इसे मौत का आइलैंड यानि आइलैंड ऑफ डेथ कहा जाता है। बताया जाता है ये मौत का टापू कभी अपनी सुन्दरता के लिए मशहूर था। हालांकि आज ये टापू वीरान स्थिति में पड़ा है। इटली में काफी साल पहले प्लेग की बिमारी ने महा विनाश मचाया था। इस दौरान भारी संख्या में लोग इस महामारी की चपेट में आए थे। तब इटली की सरकार इस बीमारी पर काबू नहीं पा रही थी। इस दौरान इटली की सरकार ने करीब 1 लाख 60 हजार मरीजों को इस टापू पर लाकर जिन्दा आग के हवाले कर दिया था। इस विनाशकारी बीमारी के बाद इटली में काला बुखार नामक एक और बीमारी फैली थी। इस बीमारी के भी लाइलाज होने की वजह से जो मौतें हुई थीं। उन लाशों को भी इस टापू पर लाकर दफन कर दिया गया था। इसके बाद से ही इस टापू के आस-पास लोगों को टापू पर अजीबो-गरीब आवाजें आनी लगी थीं। यहां के लोगों को टापू पर आत्माओं के होने का आभास हुआ था और लोगों ने इस टापू पर जाना बंद कर दिया था। इटली के शहर वेनिस और लिडो के बीच ये टापू वेनेशियन खाड़ी में मौजूद है। यहां पर अब कोई भी जाना पसन्द नहीं करता है। मान्यता है जो भी इंसान यहां जाता है जिंदा वापस नहीं लौटता। मएक बार इटली की सरकार ने एक मेंटल हॉस्पिटल बनाकर यहां लोगों की आवाजाही ब?नी चाही थी। हालांकि वहां नौकरी करने वाले डॉक्टर्स तथा नर्सों को आत्माओं का आभास होने लगा था। डॉक्टरों ने कहा था कि उन्हें मौत के इस टापू में तरह-तरह की असामान्य सी चीजें नजर आती थीं। इनसे खतरनाक आवाज निकलती थीं। यहां तक कि मरीजों के परिजनों ने भी कई बार आत्माओं के दिखने की बात कही थी। इसके बाद सरकार को मेन्टल अस्पताल को जल्द ही बंद करना पड़ा था। इसके बाद साल 1960 में इटली सरकार ने इसे एक अमीर व्यक्ति को बेच भी दिया था। इसके बाद उस व्यक्ति के परिवार के साथ यहां खतरनाक हादसे हुए थे।

नए साल के जश्न में डूबेंगे दिल्ली, हिमाचल और उत्तराखंड

होटल में एडवांस बुकिंग, शोरूम, बार व रेस्टोरेंट में लोगों को आकर्षित करने के लिए विशेष तैयारियां

» हौजखास से कनॉट प्लेस तक फूटकोर्ट सजकर तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो साल की बंदिशों के बाद पूरे जोश से मनाए जा रहे नए साल के जश्न में वीकेंड ने तड़का लगा दिया है। जश्न की मस्ती डबल करने के लिए दिल्ली के रेस्तरां, बार व फूडकोर्ट भी सजकर तैयार हैं। कनॉट प्लेस, ग्रेटर कैलाश, साउथ एक्सटेंशन राजौरी गार्डन से लेकर तमाम शॉपिंग मॉल्स और प्रमुख बाजारों में स्थित शोरूम, रेस्टोरेंट और बार में विशेष तैयारियां की गई हैं। लोगों को आकर्षित करने के लिए ऑफर भी दिए जा रहे हैं।

राजौरी गार्डन बाजार में रेस्तरां चला रहे कुलविंदर ने बताया कि नए साल पर वीकेंड होने के कारण इस बार अच्छा बिजनेस होने की उम्मीद है। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय से लोगों को मस्ती करने का मौका नहीं मिल रहा था। इस बार उम्मीद कर रहे हैं कि काफी लोग यहां आएंगे और मौज मस्ती करेंगे। यह पश्चिमी दिल्ली का सबसे व्यस्त बाजार हैं। यहां तिलक नगर, सुभाष नगर, पंजाबी बाग, जनकपुरी, रमेश नगर सहित अन्य जगहों से बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

हिमाचल प्रदेश में होटल फुल

नववर्ष के जश्न के लिए हिमाचल तैयार है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के होटल दो दिन पहले ही पैक हो गए हैं। नए साल पर प्रदेश में करोड़ों का कारोबार होने की उम्मीद जताई जा रही है। नए साल पर बर्फबारी होने की भी उम्मीद है। इससे नए साल का जश्न दोगुना हो जाएगा। उधर, ताजा हिमपात के बाद शुक्रवार को पर्यटक मस्ती करने के लिए पर्यटन मनाली, नारकंडा, डलहौजी आदि स्थलों में पहुंचे थे। बॉलीवुड अभिनेता और कॉमेडियन कपिल शर्मा समेत कई हस्तियां नए साल का जश्न मनाने मनाली पहुंची हैं। हिमाचल में जश्न मनाने पहुंचे लाखों सैलानियों के लिए खाने-पानी की समस्या न रहे, इसे देखते हुए सरकार ने पहले ही 2 जनवरी तक होटल, रेस्तरां, भोजनालय, चाय के स्टाल 24 घंटे खुले रखने के आदेश जारी किए हैं। सरकार ने विंटर कार्निवल मनाली को देखते हुए में 7 जनवरी की रात 12:00 बजे तक होटल और रेस्तरां खुले रखने के निर्देश दिए हैं।

पर्यटन स्थलों पर नहीं पैर रखने की जगह

पर्यटन प्रदेश उत्तराखंड में नव वर्ष का जश्न मनाने बड़ी संख्या में आ रहे पर्यटकों की सुरक्षा के लिए प्रदेश सरकार ने गाइडलाइन जारी की है। मसूरी, नैनीताल, देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार समेत तमाम स्थलों में अधिकांश होटल फुल हो गए हैं। इसे देखते हुए सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम भी किए हैं। जश्न के दौरान सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर भी खुफिया एजेंसियों की कड़ी नजर रहेगी। अपर मुख्य सचिव गृह राधा रतूड़ी ने इस संबंध में पुलिस विभाग को दिशा-निर्देश दिए हैं।

लखनऊ से नोएडा तक घना कोहरा और कड़ाके की ठंड

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। उत्तर प्रदेश में सुबह कोहरे की चादर में लिपटी हुई नजर आई। राजधानी लखनऊ से लेकर नोएडा और गोरखपुर तक कोहरे का असर दिख रहा है। पूर्वांचल से पश्चिमी यूपी तक को पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवाओं का प्रभाव कम होने के बाद कोहरे की चादर ने ढक लिया है। आसमान में बादलों का असर दिख रहा है। मौसम विभाग की ओर से कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी के भी आसार जताए गए हैं। इसके बाद ठंड की स्थिति में और इजाफा होगा। नए साल में लोगों को कंपकंपाती ठंड का अहसास होने वाला है। बुधवार और गुरुवार को तेज हवाओं के कारण कोहरा कम दिखा। धूप निकली तो लोगों को ठंड से राहत मिली। लेकिन, अब एक बार फिर सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में सुबह कोहरे में लिपटी रही। घरों से निकलना मुश्किल हो रहा था। सुबह 8 बजे तक विजिबिलिटी 10 मीटर भी नहीं थी। सड़कों पर चलते हुए एक लेन से दूसरी लेन में चलती गाड़ियों को देखने में मुश्किल हो रही थी।

एनसीआर भी कोहरे की चपेट में

एनसीआर में भी घने कोहरे का असर देखने को मिल रहा है। नोएडा से लेकर गाजियाबाद तक कोहरे चादर में शहर लिपटा रहा। मौसम विभाग की ओर से अगले 7 दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। 4 जनवरी तक इलाके में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पारा 4.0 डिग्री तक जा सकता है। बुधवार को धूप खिलने के बाद तापमान में कुछ वृद्धि हुई। सामान्य से एक डिग्री अधिक तापमान अधिक दिखा।

विद्युत कर्मचारियों व लाइनमैनों के लिए अनिवार्य हो सुरक्षा उपकरण का प्रयोग

» बढ़ती दुर्घटनाओं पर अधिवक्ता ने अधिकारियों को दिया ज्ञापन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विद्युत कर्मचारियों एवं लाइनमैनों द्वारा बिना किसी सुरक्षा उपकरण के बिजली के खंभों पर चढ़कर बिजली का कार्य करना अत्यंत जोखिम भरा काम है। कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें बिना सुरक्षा उपकरण के एचटी-एलटी लाइनों पर काम करने या खंभों पर चढ़ने से कर्मचारी किसी दुर्घटना का शिकार हो गया। जिससे या तो उसकी जान चली गई या फिर अपंगता का शिकार हो गया।

उत्तर प्रदेश में भी ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इस विषय को लेकर लखनऊ के कैसरबाग जिला एवं सत्र न्यायालय के अधिवक्ता सैय्यद मोहम्मद हैदर रिजवी ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग, यूपी, यूपीपीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक तथा मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियंता, लखीमपुर को एक ज्ञापन भेजा है। जिसमें विद्युत कर्मचारियों की जान को जोखिम में डालकर इस

तरह किए जा रहे कार्यों पर रोक लगाने और उनको सुरक्षा उपकरण व सुरक्षा सुविधाएं अनिवार्य कराने का निवेदन किया है। साथ ही अगर विभाग द्वारा ऐसा नहीं किया जाता है, तो उसके विरुद्ध संबंधित एसडीओ या अधिशासी अभियंता द्वारा विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया जाए। ऐसे में अगर विभाग द्वारा इस तरह के सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग को अनिवार्य कर दिया जाए, तो इससे ऐसे कई कर्मचारियों की जान को और उनके साथ होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है।

बिहार शराबकांड का मास्टरमाइंड रामबाबू दिल्ली में गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में नकली शराब बनाने वाला मास्टरमाइंड दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, नकली शराब बनाने वाले मास्टरमाइंड राम बाबू (35) को दिल्ली क्राइम ब्रांच ने अरेस्ट किया है। इस बावत दिल्ली पुलिस ने बिहार पुलिस का सूचना दे दी है।

दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के अनुसार, बिहार शराब कांड में पकड़े गए मास्टरमाइंड का नाम राम बाबू (35) है। दिल्ली क्राइम ब्रांच का दावा है कि मास्टरमाइंड आरोपी राम बाबू ने ही शराब में केमिकल डालकर तैयार की थी।बता दें कि अकेले बिहार के सारण में ही जहरीली शराब पीने से 75 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं आसपास के जिलों में हुई मौतों को मिलाकर कुल आंकड़ा 83 के पार हो चला है।

गोपनीय, लिपिक व लेखा संवर्ग में 1157 एसआई, एएसआई भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने प्रदेश में 1157 गोपनीय, लिपिक व लेखा संवर्ग के एसआई व सहायक उपनिरीक्षकों की सीधी भर्ती की पुष्टि की है। बोर्ड की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि उपनिरीक्षक गोपनीय के 155 पदों पर समान्य व इडब्ल्यूएस वर्ग के 136 पुरुष व 33 महिला अभ्यर्थी भर्ती हुई हैं।

ओबीसी के तीन तथा एससी के 11 अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं सहायक उपनिरीक्षक लिपिक व सतर्कता के 644 पदों पर समान्य वर्ग से 260 पुरुष व 62 महिलाओं की भर्ती हुई है। ओबीसी वर्ग से 133 व 35 महिला तथा एससी वर्ग से 135 पुरुष व 27 महिलाओं के अलावा एसटी वर्ग से 12 पुरुष व 2 महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। सहायक उपनिरीक्षक लेखा के 358 पदों पर समान्य वर्ग 145 पुरुष व 36 महिला, ओबीसी वर्ग के 96 पुरुष व 19 महिला, एससी वर्ग के 75 पुरुष व 15 महिला, एसटी वर्ग के 7 पुरुष के अलावा इडब्ल्यूएस वर्ग के 35 पुरुष अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

ललन की बची साख, गिरिराज का गढ़ हारी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बेगूसराय की मेयर और डिप्टी मेयर की सीट पर हार गए प्रत्याशी
» मुंगेर में मेयर सीट पर जदयू की विजय, समस्तीपुर जीत गई कांग्रेस

लखनऊ। बिहार नगर निगम चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ है। भाजपा अपने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के गढ़ बेगूसराय में चारों खाने चित हो गई। वहीं, मुंगेर में जदयू अध्यक्ष ललन सिंह की साख उनकी पार्टी समर्थित प्रत्याशी की जीत से बच गई है।

अगर बात बेगूसराय सीट की करें तो नगर निगम में बड़ा फेरबदल देखने को मिला। यहां बीजेपी के फायरब्रांड मंत्री गिरिराज सिंह सांसद हैं। वहीं, बेगूसराय में भाजपा के विधायक भी हैं लेकिन, मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव भाजपा नहीं जीत सकी। मेयर पद पर जदयू समर्थित उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। वहीं, डिप्टी मेयर पर आरजेडी ने अपना कब्जा जमाया है। जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह के मुंगेर की बात करें तो वह यहां के सांसद हैं। उन्होंने अपनी साख बचा ली है। मेयर पद का चुनाव जदयू के समर्थित उम्मीदवार ने जीता है। हालांकि डिप्टी मेयर को लेकर लोगों ने समर्थित उम्मीदवार को पसंद किया है।

उधर, समस्तीपुर नगर निगम में जेडीयू और कांग्रेस के समर्थित उम्मीदवार मेयर और डिप्टी मेयर के पद पर जीते हैं। वहीं, पूर्णिया नगर निगम से जेडीयू से समर्थित उम्मीदवार ने मेयर और डिप्टी मेयर पद पर जीत हासिल की है कटिहार में भाजपा एमएलसी अशोक अग्रवाल की पत्नी बीजेपी की समर्थन से मेयर बन गईं। वहीं, डिप्टी मेयर पद पर लोगों ने किसी भी समर्थित उम्मीदवार को पसंद नहीं किया। भागलपुर में ना तो बीजेपी के सांसद है और ना ही विधायक हैं। लेकिन, भाजपा ने मेयर पद पर जीत हासिल की है हालांकि डिप्टी मेयर पर आरजेडी जीती है।

यूपी में कोहरा बना काल, अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कोहरा और तेज रफ्तार के चलते आज अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश के कई भागों में शुक्रवार देर रात से छाया घना कोहरा सुबह तक कई लोगों को जान जाने का कारण बना। औरैया में शुक्रवार देर रात जालौन की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार शेरगढ़ घाट के पास यमुना पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में जा गिरी। हादसे में गाजियाबाद के करन की मौत हो गई। वह मर्चेंट नेवी में थे। उनके साथ कुछ और लोग होने की संभावना पुलिस जता रही है। अन्य लोगों की तलाश के लिए पुलिस युमना नदी में सर्च आपरेशन भी चला रही है।

अयोध्या के मवई में कोहरे के चलते पटरंगा थाना क्षेत्र के सेठौली गांव के पास अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली पटलने से दो मजदूरों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला मुख्यालय भेज दिया है। दोनों मजदूर अलाव की लकड़ी गांव में गिराकर वापस लौट रहे थे।

दूसरी ओर जालौन कोतवाली क्षेत्र में नारायणपुरा के पास शनिवार की सुबह एक कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई। दूसरे को ग्रामीणों ने बचा लिया। घने कोहरे के कारण नारायणपुरा नहर बंबी के पास कार का संतुलन बिगड़ गया और कार नहर में जा गिरी। कार में फंसे दोनों युवकों को किसी तरह से बाहर निकाला गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल बांके बिहारी की मौत हो गई। जबकि सुमित को नाजुक हालत में उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है।

इसके अलावा पीलीभीत के गजरौला थाना क्षेत्र में सुहास मार्ग पर शनिवार तड़के घने कोहरे के दौरान अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई। 50 वर्षीय राम बहादुर पुत्र रामविलास शनिवार तड़के करीब चार हनुमान मंदिर की साफ सफाई करने जा रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें चपेट में ले लिया।

अधिवक्ता की पिटाई से आक्रोश

लखनऊ-रायबरेली राजमार्ग किया जाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाईक व कार में मामूली टक्कर के बाद पुलिस ने वकील व उसके साथी को थाने लाकर बेरहम से पिटाई कर हवालात मे डाल दिया। पुलिस की कार्रवाई से नाराज वकीलों ने आज थाने का घेराव कर हाईवे जाम कर दिया।

वकील दोषी पुलिसकर्मी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने व इंस्पेक्टर, एसीपी को हटाए जाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान वकीलों व पुलिस में धक्का मुक्की भी हुई। हंगामे के दौरान लगभग दो घंटे तक लखनऊ-रायबरेली राजमार्ग व अन्य सड़कें जाम रहीं। एडीसीपी ने दोषी पुलिस कर्मियो के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने का आश्वासन दिया जिसके बाद हंगामा शांत हुआ। वकील ने दोषियों और पुलिसकर्मियों के खिलाफ तहरीर दी है।

अधिवक्ता अश्वनी कुमार सिंह ने बताया साथी अरुण ओझा के साथ शुक्रवार की रात सिसेण्डी से अपने घर जा रहे थे, उसी समय उल्टी दिशा से आ रही बाइक उनकी कार में टकरा गई। इस दौरान दरोगा राजकुमार व वीके सरोज ने बिना कुछ सुने उनकी पिटाई शुरू कर चौकी की लाइट बंद कर दी और बाइक सवार सतीश निर्मल की तरफ से मुकदमा दर्ज कर लिया।

पंजाब को पाक बनाने की कोशिश कर रहे मान: चन्नी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यशमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने सूबे की मौजूदा आम आदमी पार्टी की सरकार पर करारा हमला बोला है। चन्नी ने मुख्यजमंत्री भगवंत मान का नाम लेकर कहा कि क्या भगवंत मान पंजाब को पाकिस्तान बना रहे हैं?

चन्नी ने कहा कि आप सरकार पंजाब के शहरी हिंदू नेताओं को निशाना बना रही है। पंजाब के विधानसभा चुनाव के बाद सार्वजनिक मंचों से दूर रहे पूर्व मुख्य मंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने आज आम आदमी पार्टी की सरकार और उनकी कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए। चन्नी ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर भी जवाब दिया। चन्नी बोले कि हम पर जो इल्जाम लगाए जा रहे हैं, वो बिल्कुल बेबुनियाद हैं। किसी ने मुझे बदनाम करने के लिए करप्शन की कहानी लिखी है, इसमें निकालने के लिए कुछ भी नहीं है। यह केवल एक गलत प्रचार है और एक जुमला है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश का अखिलेश पर हमला

थर्ड फ्रंट का भविष्य छह महीने से ज्यादा नहीं

» 2024 में यूपी की भाजपा के सभी सीटें जीतने का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा थर्ड फंट की बात करने पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने निशाना साधते हुए कहा कि थर्ड फंट का भविष्य हम लोगों ने 1989 से देखा है, जब वीपी सिंह ने सरकार बनाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ तब कई दलों को जोड़कर तीसरा मोर्चा बनाया था। तीसरे मोर्चे की सरकार 3 महीना-6 महीना से ज्यादा नहीं चल पाई थी। ब्रजेश पाठक ने कहा कि एच डी देवगौड़ा, गुजराल ने भी तीसरा मोर्चा बनाया था, लेकिन तीसरे मोर्चे की बात वही समाप्त हो गई।

पाठक ने सपा पर हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा की अराजकता, गुंडई थी। उनकी सरकार में बहू बेटी की इज्जत आबरू खतरे में, खेत दुकान को लूटना, एक परिवार को आगे बढ़ाना, प्रदेश की जनता ने अपनी आंखों से देखा है। आज जनता ऐसी पार्टी के साथ है जो सर्वस्पर्शी है। 70 सालों में कोई गरीब आदमी को पक्का मकान नहीं दे पाया। इसी बुंदेलखंड में सपा के शासनकाल में ट्रेन से पानी आता था। आज हमारी सरकार में घर-घर शुद्ध जल मिल रहा है। ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारी सरकार ने मुफ्त इलाज, शौचालय दिया।

सपा ने रिजर्वेशन बिल की फाड़ी थी प्रतियां

डिप्टी सीएम ने दावा किया कि 2024 में यूपी की सभी सीटो पर बीजेपी जीतेगी। इतिहास बनेगा तीसरी बार पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। ओबीसी आरक्षण को लेकर मायावती के बयान पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए कोई तो बोलेगा। जब आजादी की लड़ाई हुई, देश का बंटवारा हुआ उस समय सब लोग इकट्ठा थे। डिप्टी सीएम ने कहा कि हम तो उनके यहां भी जा रहे हैं जिनका हक मारा गया। तीन तलाक कानून पास हुआ तो किसके लिए? आधी आबादी के लिए, मुस्लिम समाज के लिए, ये पीएम मोदी ने किया किसी और ने नहीं किया। बृजेश पाठक ने सपा पर भी निशाना साधा और कहा कि सपा तो आरक्षण के मुद्दे पर न ही बोले। सपा के लोगों ने रिजर्वेशन के बिल की प्रतियां फाड़ी थी।

पीएसी के हवाले राजधानी, नववर्ष पर हुड़दंग करने वालों की आयेगी शामत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नए साल 2023 के जश्न को लेकर यूपी पुलिस अलर्ट हो गई है। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि भीड़ वाले जगहों पर हुड़दंग न हो पाए और ड्रिंक एंड ड्राइविंग की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही महिलाओं और बच्चियों के साथ छेड़छाड़ न हो इसको सुनिश्चित किया जाएगा। सभी जगहों पर पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। 1 जनवरी को सभी धार्मिक स्थलों पर काफी भीड़ देखी जाती है तो वहां पर भी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

» आज रात दो बजे तक महानगर में मुस्तैद रहेगा पुलिस अमला

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से बताया गया है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की चेकिंग के लिए 100 से अधिक स्थानों पर पुलिस तैनात की गई है। साथ ही नए साल के जश्न को देखते हुए पूरे कमिश्नरेट में 7900 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। 16 कंपनी पीएसी भी आज शाम से तैनात कर दी जाएगी। इस दौरान राजधानी लखनऊ में स्थित माल, होटल, रेस्टोरेंट, बार में मानक से अधिक लाउडस्पीकर नहीं बज सकेंगे। रात करीब 2 बजे तक पीआरवी, पॉलीगन, पिंक स्कूटी, पिंक पैंथर गश्त करेगी। कमिश्नरेट के सभी जोन के संवेदनशील और भीड़भाढ़ वाले इलाकों पर ड्रोन कैमरा व आईटीएमएस से निगरानी भी रखी जाएगी। अक्सर चर्चा में रहने वाला विभूतिखंड थाना क्षेत्र में स्थित समिट बिल्डिंग को लेकर लखनऊ पुलिस ने विशेष इंतजाम किए हैं। 15 मंजिला की समिट बिल्डिंग में 17 बार हैं। हर बार में कितने लोगों के इकट्ठा होने की क्षमता है, इसका नोटिस बार के बाहर लगाना होगा। पुलिस बल भी विभिन्न स्थानों पर आकस्मिकता से निपटने के लिए मुस्तैद रहेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।